बरेली, सोमवार
10 नवंबर, 2025
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 14+4=18

दैनिक जागरण

PAGE NO : IV MIDDLE

'हम-तुम' की नोकझोंक ने दिखाया जीवन का दूसरा पहलू

रिद्धिमा में नाटक मंचन करते कलाकार • सौ. संस्था

जासं, बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा के सभागार में रविवार शाम नाटक "हम-तुम" का मंचन हुआ। दो अधेड़ उम्र के व्यक्तियों की कहानी पर आधारित इस नाटक की पृष्ठभूमि एक सेनिटोरियम है, जहां 55 वर्षीय डा. सरदार सिंह भुल्लर अपने एकाकी जीवन और सेनिटोरियम के काम काज में व्यस्त रहते हैं।

दूसरी तरफ 49 वर्षीय सरिता (मयूरी द्विवेदी) हैं, जो जीवन में भरपूर उत्साही और स्वतंत्र विचारों वाली, कुछ ज्यादा बातूनी या कहिए थोड़ी सनकी महिला हैं, वह भी सेनेटेरियम (अस्पताल) में भर्ती होती है। नाटक नोक झोक से भरपूर है। इमेंस आर्ट एंड कल्चरल सोसायटी लखनऊ की से प्रस्तुत यह नाटक रूसी नाट्यकार एलेक्सी अर्बुजोव द्वारा लिखे चर्चित नाटक "द ओल्ड वर्ल्ड' पर आधारित रहा। इसे राहील भारद्वाज ने हिंदी में अनुवाद किया। निर्देशन सुदीप चक्रवर्ती ने किया, जबकि लाइट डिजाइन प्रियंक कटारी कटारिया का रहा। संगीत राहुल सेन ने दिया। ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, डा. एमएस बुटोला, डा. प्रभाकर गुप्ता आदि मौजूद रहे।